Class VI

तिथि - 15/04/2020

विषय - संस्कृत (WORKSHEET-1)

कक्षा - षष्ठी

कर्त्ता - क्रिया तालिका

	एकवचन		द्विवचन		बहुवचन	
प्रथम पुरुष	पु० सः बालकः स्त्री० सा लता नपुं० तत् फलम्	ति	तौ बालकौ ते लते ते फले	तः	ते बालकाः ताः लताः तानि फलानि	अन्ति
मध्यम पुरुष	त्वम्	सि	युवाम्	थः	यूयम्	थ
उत्तम पुरुष	अहम्	आमि	आवाम्	आवः	वयम्	आमः

Note- उत्तरपुस्तिका में तालिका लगाकर सभी प्रश्न उत्तर सहित लिखें।

दी गई तालिका के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दो- Pg-2

I शुद्ध करो-

1- त्वम् लिखति। ______

2- गजाः चलति। ______

3- वयम् चलावः। ______

4- सा पतसि। ______

5- मयूरौ नृत्यति। ______

6- अहम् वदामः। ______

7- चक्रम् भ्रमसि। ______

8- यूयम् लिखथः। ______

9- ते बालकाः क्रीडति। ______

10- आवाम् धावामि। ______

II उचित क्रिया चुनकर रिक्त स्थान भरो-

1- त्वम् ______। (हसति / हससि)

2- वयम् ______। (पठावः / पठामः)

3- यूयम् ______। (गच्छसि / गच्छथ)

4- सा बालिका ______। (नृत्यसि / नृत्यति)

5- तौ ______। (पठतः / पठति)

6- अहम् ______। (खादामि / खादसि)

7- मृगाः ______। (धावन्ति / धावति)

8- छात्रः ______। (नमति / नमतः)

9- ते ______। (पिबति / पिबन्ति)

10- आवाम् ______। (गच्छामः / गच्छावः)

III उचित कर्त्ता द्वारा रिक्त स्थान भरो-

1- _____ हसतः। (कन्या | कन्ये)

2- _____ पठन्ति। (बालाः | बालौ)

3- _____ खादसि। (त्वम् | अहम्)

4 _____ नमामि। (आवाम् | अहम्)

5- _____ लिखामः। (वयम् | आवाम्)

6- _____ खेलतः। (तौ | सः)

7- _____ लिखति। (अध्यापकः | अध्यापकौ)

8- _____ भ्रमथः। (युवाम् | यूयम्)

9- _____ गर्जति। (सिंहः | सिंहौ)

10- _____ पिबावः। (युवाम् | आवाम्)

IV शब्दों के बहुवचन के रूप लिखो- Pg-3

1- जनकः - _____

2- चटका - _____

3- पुष्पम् - _____

4- सः - _____

5- सा - _____

6- तत् - _____

7- त्वम् - _____

8- अहम् - _____

V उचित सर्वनाम चुनकर लिखो-

1- _____ वानरः। (सः | सा)

2- _____ पुष्पाणि। (तानि | तत्)

3- _____ माताः। (ताः | ते)

4- _____ भोजनम्। (ते | तत्)

5- _____ पुत्रौ। (तौ | ताः)

तिथि - 15/04/2020 विषय - संस्कृत

Class VII कक्षा - सप्तमी

कर्त्ता - क्रिया समन्वय

पुरुषः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	पु० सः नरः	तौ नरौ	ते नराः
	स्त्री० सा कन्या	ते कन्ये	ताः कन्याः
	नपु० तत् पुस्तकम्	ते पुस्तके	तानि पुस्तकानि
	पठति पठिष्यति	पठतः पठिष्यतः	पठन्ति पठिष्यन्ति
मध्यमः पुरुषः	त्वम् — पठसि पठिष्यसि	युवाम् — पठथः पठिष्यथः	यूयम् — पठथ पठिष्यथ
उत्तमः पुरुषः	अहम् — पठामि पठिष्यामि	आवाम् — पठावः पठिष्यावः	वयम् — पठामः पठिष्यामः

Note- तालिका उत्तरपुस्तिका में लगाकर सभी प्रश्न उत्तर सहित लिखें।

दी गई तालिका के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दो- Pg 2

I उचित क्रिया द्वारा रिक्त स्थान भरो-

1- अहम् पुस्तकम् _____ ।
पठिष्यामि पठिष्यामः

2- वयम् विद्यालयम् _____ ।
गच्छावः गच्छामः

3- त्वम् अपि _____ ।
खेलति खेलसि

4- महिला भोजनम् _____ ।
पचति पचसि

5- ते जलम् _____ ।
पिबिष्यन्ति पास्यन्ति

6- तौ उपवने _____ ।
भ्रमथः भ्रमतः

7- सः वृक्षात् _____ ।
पतिष्यति पतिष्यसि

8- आवाम् नद्याम् _____ ।
तरिष्यामि तरिष्यावः

9- बालकाः देवालयम् _____ ।
गमिष्यति गमिष्यन्ति

10- यूयम् गुरुम् _____ ।
नंस्यथ नंस्यथः

II उचित कर्ता द्वारा रिक्त स्थान भरो-

1- _____ मम कन्या अस्ति ।
सः सा तत्

2- _____ किम् पठसि ?
अहम् सः त्वम्

3- सुन्दरम् _____ विकसति ।
कमलम् कमले कमलानि

4- _____ पितरम् पृच्छामि ।
त्वम् अहम् सा

5- सा _____ पठनाय गच्छति ।
बालिका बालकः बालिके

6- _____ पुस्तकम् पठावः ।
अहम् आवाम् वयम्

7- _____ सत्यम् वदामः ।
ताः यूयम् वयम्

8- _____ कथां श्रुत्वा हसन्ति ।
महिला महिले महिलाः

9- _____ उच्चैः हसथ ।
यूयम् युवाम् त्वम्

10- _____ गुरुम् नमतः ।
सा तौ ताः

III वाक्यों को लृट् लकार में बदलो-

1- ते भोजनम् खादन्ति।
खादिष्यति खादिष्यन्ति

2- वयम् गुरुम् नमामः।
नंस्यामः नमिष्यामः

3- ते जलम् पिबन्ति।
पिबिष्यन्ति पास्यन्ति

4- सः स्वकार्यम् करोति।
करिष्यति करिष्यसि

5- सा चंचला बालिका अस्ति।
भविष्यति असिष्यति

6- ते स्वगृहे एव तिष्ठन्ति।
तिष्ठिष्यन्ति स्थास्यन्ति

7- अहम् पाठम् पठामि।
पठिष्यामि पठिष्यामः

8- त्वम् विद्यालयम् गच्छसि।
गमिष्यसि गच्छिष्यसि

9- सैनिकाः देशम् रक्षन्ति।
रक्षिष्यन्ति रक्षयन्ति

10- बालकाः उद्याने क्रीडन्ति।
क्रीडिष्यन्ति क्रीडिष्यति

IV वाक्य शुद्ध करके लिखो-

1- तानि फलम् मधुरम् अस्ति।
तत् सः सा

2- त्वम् किम् करोसि?
करोषि करोति कुरुतः

3- प्रतापः वीरम् बालकः अस्ति।
वीरा वीरः वीरै

4- वयम् पाठशालां गच्छामि।
गच्छामः गच्छावः गच्छथ

5- सिंहः वने वसतः।
वसति वससि वसामि

6- मयूरौ वने नृत्यति।
नृत्यतः नृत्यसि नृत्यथः

7- यूयम् तीव्रम् चलसि।
चलथः चलतः चलथ

8- आवाम् बहिः गच्छथः।
त्वम् युवाम् यूयम्

9- लता चलचित्रम् पश्यन्ति।
पश्यति पश्यसि पश्यथ

10- महिले भोजनम् पचति।
महिला महिलौ महिलाः

तिथि - 15/04/2020

Class VIII

विषय संस्कृत (WS-1)
कक्षा - अष्टमी
कर्ता - क्रिया समन्वय तालिका

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	पु०	सः वृक्षः	तौ वृक्षौ	ते वृक्षाः
	स्त्री०	सा कन्या	ते कन्ये	ताः कन्याः
	नपु०	तत् पत्रम्	ते पत्रे	तानि पत्राणि
		पठति पठिष्यति अपठत्	पठतः पठिष्यतः अपठताम्	पठन्ति पठिष्यन्ति अपठन्
मध्यमः पुरुषः		त्वम्	युवाम्	यूयम्
		पठसि पठिष्यसि अपठः	पठथः पठिष्यथः अपठतम्	पठथ पठिष्यथ अपठत
उत्तमः पुरुषः		अहम्	आवाम्	वयम्
		पठामि पठिष्यामि अपठम्	पठावः पठिष्यावः अपठाव	पठामः पठिष्यामः अपठाम

Note - तालिका उत्तर पुस्तिका में लगाकर दिए गए सभी प्रश्न उत्तर सहित लिखें।

I निर्देशानुसार रेखांकित पदों को शुद्ध करो-

1- अहम् ग्रामम् अगच्छत्।
अगच्छाम अगच्छम

2- वयम् गुरुम् नंस्यामि।
नंस्यावः नंस्यामः

3- माता बालकाय भोजनम् यच्छसि।
यच्छामि यच्छति

4- वृक्षात् फलानि पतिष्यति।
पतिष्यतः पतिष्यन्ति

5- शिष्याः गुरुम् प्रश्नम् अपृच्छत्।
अपृच्छन् अपृच्छताम्

6- मनुष्यः सदा मधुरम् वदन्ति।
वदति वदसि

7- त्वम् सदैव कार्यम् करोसि।
करोति करोषि

8- ताः रंगमंचे नर्तिष्यतः।
नर्तिष्यति नर्तिष्यन्ति।

9- त्रयः महिलाः गच्छन्ति।
तिस्रः त्रीणि

10- आवाम् अश्वं नयामि।
वयम् अहम्

II रिक्तस्थानभरो - Pg-2

1- ____ बहिः गच्छथ।
युवाम् यूयम्

2- त्वम् तत्र न ____।
गच्छथ गच्छसि

3- ताः गीतम् गास्यं ____।
ति अन्ति

4- आवाम् वातावरणं शुद्धं ____।
करिष्यामः करिष्यावः

5- ____ पाठम् न अस्मरम्।
अहम् वयम्

6- बालिका पुष्पाणि ____।
द्रक्ष्यन्ति द्रक्ष्यति

7- मृगाः वने तीव्रम् ____।
अधावन् अधावत्

8- वयम् पादाभ्याम् ____।
चलामि चलामः

9- त्वम् शोभनः बालः ____।
अस्ति असि

10- ____ पर्वतात् निस्सरति।
गंगा गंगाः

III निर्देशानुसार लकार बदलो-

1- मीनाः जले वसन्ति। (लृट्)
वत्स्यन्ति वसिष्यति

2- जनाः परिश्रमम् कुर्वन्ति। (लङ्)
अकुर्वन् अकरोत्

3- नरः पुष्पाणि द्रक्ष्यति। (लट्)
पश्यति पश्यन्ति

4- ते पठनाय अगच्छन्। (लट्)
गच्छन्ति गच्छसि

5- कविता भ्रमणाय गच्छति। (लृट्)
गमिष्यति अगच्छति

6- नृपः जनान् रक्षति। (लङ्)
अरक्षन् अरक्षत्

7- बालकाः जलम् पिबन्ति। (लृट्)
पास्यति पास्यन्ति

8- त्वम् उद्याने क्रीडसि। (लङ्)
अक्रीडत् अक्रीडः

9- वयम् उच्चैः हसिष्यामः। (लट्)
हसावः हसामः

10- खगाः वृक्षे कूजन्ति। (लङ्)
अकूजत् अकूजन्

IV उचित सर्वनाम चुनकर लिखो -

1- ____ अश्वः। (सः / सा)
2- ____ गायिके। (एते / एषा)
3- ____ अश्वौ। (तौ / ते)
4- ____ पुष्पम्। (एषः / एतत्)
5- ____ पत्राणि। (तानि / तत्)
6- ____ पुरुषः। (एषः / एषा)
7- ____ फलानि। (एतानि / एतत्)
8- ____ महिला। (सा / सः)

V बहुवचन से मिलान करो-

1- सः	तानि
2- सा	यूयम्
3- तत्	ते
4- त्वम्	ताः
5- अहम्	एते
6- एषः	एतानि
7- एषा	वयम्
8- एतत्	एताः

Class IX

दुःख का अधिकार

NCERT Solutions for Class 9th: पाठ 2 - दुःख का अधिकार स्पर्श भाग-1हिंदी

यशपाल

पृष्ठ संख्या: 17

प्रश्न अभ्यास

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए -

1. किसी पोशाक देखकर हमें क्या पता चलता है?

उत्तर

किसी की पोशाक को देखकर हमें समाज में उसके अधिकार और दर्जे का पता चलता है।

2. खरबूजे बेचने वाली स्त्री से कोई ख़रबूज़े क्यों नही खरीद रहा था?

उत्तर

ख़रबूज़े बेचने वाली स्त्री से कोई ख़रबूज़े इसलिए नही खरीद रहा था क्योंकि वह मुँह छिपाए सिर को घुटनो पर रख फफक-फफककर रो रही थी।

3. उस स्त्री को देखकर लेखक को कैसा लगा?

उत्तर

उस स्त्री को देखकर लेखक लेखक के मन में एक व्यथा सी उठी और वो उसके रोने का कारण जानने का उपाय सोचने लगा।

4. उस स्त्री के लड़के की मृत्यु का कारण क्या था?

उत्तर

उस स्त्री के लड़के की मृत्यु खेत में पके खरबूज चुनते समय साँप के काटने से हुई ।

5. बुढ़िया को कोई भी क्यों उधार नही देता?

उत्तर

बुढ़िया के परिवार में एकमात्र कमाने वाला बेटा मर गया था। ऐसे में पैसे वापस न मिलने के डर के कारण कोई उसे उधार नही देता।

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

1. मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्व है?

उत्तर

मनुष्य के जीवन में पोशाक मात्र एक शरीर ढकने का साधन नही है बल्कि समाज में उसका दर्जा निश्चित करती है। पोशाक से मनुष्य की हैसियत, पद तथा समाज में उसके स्थान का पता चलता है। पोशाक मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारती है। जब हम किसी से मिलते हैं, तो पहले उसकी पोशाक से प्रभावित होते हैं तथा उसके व्यक्तित्व का अंदाज़ा लगाते हैं। पोशाक जितनी प्रभावशाली होगी, उतने अधिक लोग प्रभावित होगें।

2. पोशाक हमारे हमारे लिए कब बंधन और अड़चन बन जाती है?

उत्तर

पोशाक हमारे लिए बंधन और अड़चन तब बन जाती है जब हम अपने से कम दर्ज़े या कम पैसे वाले व्यक्ति के साथ उसके दुख बाँटने की इच्छा रखते हैं। लेकिन उसे छोटा समझकर उससे बात करने में संकोच करते हैं और उसके साथ सहानुभूति तक प्रकट नहीं कर पाते हैं।

3. लेखक उस स्त्री के रोने का कारण क्यों नही जान पाया?

उत्तर

लेखक की पोशाक रोने का कारण जान पाने की बीच अड़चन थी। वह फुटपाथ पर बैठकर उससे पूछ नही सकता था। इससे उसके प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचती। इस वजह से वह उस स्त्री के रोने का कारण नही जान पाया।

4. भगवाना अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था?

उत्तर

भगवाना शहर के पास डेढ़ बीघा ज़मीन में कछियारी करके परिवार का निर्वाह करता था।

5. लड़के के मृत्यु के दूसरे ही दिन बुढ़िया खरबूजे बेचने क्यों चल पड़ी?

उत्तर

बुढ़िया बहुत गरीब थी। लड़के की मृत्यु पर घर में जो कुछ था सब कुछ खर्च हो गया। लड़के के छोटे-छोटे बच्चे भूख से परेशान थे, बहू को तेज़ बुखार था। ईलाज के लिए भी पैसा नहीं था। इन्हीं सब कारणों से वह दूसरे ही दिन खरबूज़े बेचने चल दी।

6. बुढ़िया के दुःख को देखकर लेखक को अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद क्यों आई?

उत्तर

लेखक को बुढ़िया के दुःख को देखकर अपने पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद इसलिए आई क्योंकि उसके बेटे का भी देहांत हुआ था। वह दोनों के दुखों के तुलना करना चाहता था। दोनों के शोक मानाने का ढंग अलग था। धनी परिवार के होने की वजह से वह उसके पास शोक मनाने को असीमित समय था और बुढ़िया के पास शोक का अधिकार नही था।

(ख) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -

1. बाजार के लोग खरबूजे बेचने वाली स्त्री के बारे में क्या-क्या कह रहे थे? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर

बाज़ार के लोग खरबूज़ेबेचने वाली स्त्री के बारे में तरह-तरह की बातें कह रहे थे। कोई घृणा से थूककर बेहया कह रहा था, कोई उसकी नीयत को दोष दे रहा था, कोई कमीनी, कोई रोटी के टुकड़े पर जान देने वाली कहता, कोई कहता इसके लिए रिश्तों का कोई मतलब नहीं है, परचून वाला लाला कह रहा था, इनके लिए अगर मरने-जीने का कोई मतलब नही है तो दुसरो का धर्म ईमान क्यों ख़राब कर रही है।

2. पास पड़ोस की दूकान से पूछने पर लेखक को क्या पता चला?

उत्तर

पास पड़ोस की दूकान से पूछने पर लेखक को पता चला कि बुढ़िया का जवान बेटा सांप के काटने से मर गया है। वह परिवार में एकमात्र कमाने वाला था। उसके घर का सारा सामान बेटे को बचाने में खर्च हो गया। घर में दो पोते भूख से बिलख रहे थे। इसलिए वो खरबूजे बेचने बाजार आई है।

3. लड़के को बचाने के लिए बुढ़िया ने क्या- क्या उपाय किए ?

उत्तर

लड़के के मृत्यु होने पर बुढ़िया पागल सी हो गयी। वह जो कर सकती थी उसने किया। वह ओझा को बुला लायी झाड़ना-फूंकना हुआ। नागदेवता की पूजा भी हुई। घर में जितना अनाज था दान दक्षिणा में समाप्त हो गया। परन्तु उसका बेटा बच न सका।

4. लेखक ने बुढ़िया के दुःख का अंदाजा कैसे लगाया?

उत्तर

लेखक उस पुत्र-वियोगिनी के दु:ख का अंदाज़ा लगाने के लिए पिछले साल अपने पड़ोस में पुत्र की मृत्यु से दु:खी माता की बात सोचने लगा जिसके पास दु:ख प्रकट करने का अधिकार तथा अवसर दोनों था परन्तु यह बुढ़िया तो इतनी असहाय थी कि वह ठीक से अपने पुत्र की मृत्यु का शोक भी नहीं मना सकती थी।

5. इस पाठ का शीर्षक 'दु:ख का अधिकार' कहाँ तक सार्थक है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

इस पाठ का शीर्षक 'दु:ख का अधिकार' पूरी तरह से सार्थक सिद्ध होता है क्योंकि यह अभिव्यक्त करता है कि दु:ख प्रकट करने का अधिकार व्यक्ति की परिस्थिति के अनुसार होता है। यद्यपि दु:ख का अधिकार सभी को है। गरीब बुढ़िया और संभ्रांत महिला दोनों का दुख एक समान ही था। दोनों के पुत्रों की मृत्यु हो गई थी परन्तु संभ्रांत महिला के पास सहूलियतें थीं, समय था। इसलिए वह दु:ख मना सकी परन्तु बुढ़िया गरीब थी, भूख से बिलखते बच्चों के लिए पैसा कमाने के लिए निकलना था। उसके पास न सहूलियतें थीं न समय। वह दु:ख न मना सकी। उसे दु:ख मनाने का अधिकार नहीं था। इसलिए शीर्षक पूरी तरह सार्थक प्रतीत होता है।

निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए -

1.जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोके रहती है।

उत्तर

यहाँ लेखक ने पोशाक की तुलना वायु की लहरों से की है। जिस प्रकार पतंग के कट जाने पर वायु की लहरें उसे कुछ समय के लिए उड़ाती रहती हैं, एकाएक धरती से टकराने नही देतीं ठीक उसी प्रकार किन्हीं ख़ास परिस्थितियों में पोशाक हमें नीचे झुकने से रोकती हैं।

2. इनके लिए बेटा-बेटी, खसम-लुगाई,धर्म-ईमान सब रोटी का टुकड़ा है।

उत्तर

इस वाक्य में गरीबी पर चोट की गयी है। गरीबों को कमाने के लिए रोज घर से निकलना पड़ता है । परन्तु लोग कहते हैं उनके लिए रिश्ते-नाते कोई मायने नही रखते हैं। वे सिर्फ पैसों के गुलाम होते हैं। रोटी कमाना उनके लिए सबसे बड़ी बात होती है।

3. शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और... दुखी होने का भी एक अधिकार होता है।

उत्तर

शोक करने, गम मनाने के लिए सहूलियत चाहिए। यह व्यंग्य अमीरी पर है क्योंकि अमीर लोगों के पास दुख मनाने का समय और सुविधा दोनों होती हैं। इसके लिए वह दु:ख मनाने का दिखावा भी कर पाता है और उसे अपना अधिकार समझता है। जबकि गरीब विवश होता है। वह रोज़ी रोटी कमाने की उलझन में ही लगा रहता है। उसके पास दु:ख मनाने का न तो समय होता है और न ही सुविधा होती है। इसलिए उसे दु:ख का अधिकार भी नहीं होता है।

भाषा अध्ययन

2. निम्नलिखित शब्दों के पर्याय लिखिए –

ईमान

बदन

अंदाज़ा

बेचैनी

गम

दर्ज़ा

ज़मीन

ज़माना

बरकत

उत्तर

ईमान	ज़मीर, विवेक
बदन	शरीर, तन, देह
अंदाज़ा	अनुमान
बेचैनी	व्याकुलता, अधीरता

गम	दुख, कष्ट, तकलीफ
दर्ज़ा	स्तर, कक्षा
ज़मीन	धरती, भूमि, धरा
ज़माना	संसार, जग, दुनिया
बरकत	वृद्धि, बढ़ना

पृष्ठ संख्या: 19

3. निम्नलिखित उदाहरण के अनुसार पाठ में आए शब्द-युग्मों को छाँटकर लिखिए -

उत्तर

फफक	फफककर
दुअन्नी	चवन्नी
ईमान	धर्म
आते	जाते
छन्नी	ककना
पास	पड़ोस
झाड़ना	फूँकना
पोता	पोती
दान	दक्षिणा

मुह अधर

4. पाठ के संदर्भ के अनुसार निम्नलिखित वाक्यांशों की व्याख्या कीजिए –
बंद दरवाज़े खोल देना, निर्वाह करना, भूख से बिलबिलाना, कोई चारा न होना, शोक से द्रवित हो जाना।

उत्तर

1. बंद दरवाज़े खोल देना – प्रगति में बाधक तत्व हटने से बंद दरवाज़े खुल जाते हैं।
2. निर्वाह करना – परिवार का भरण-पोषण करना
3. भूख से बिलबिलाना – बहुत तेज भूख लगना (व्याकुल होना)
4. कोई चारा न होना – कोई और उपाय न होना
5. शोक से द्रवित हो जाना – दूसरों का दु:ख देखकर भावुक हो जाना।

5. निम्नलिखित शब्द-युग्मों और शब्द-समूहों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

(क) छन्नी-ककना अढ़ाई-मास पास-पड़ोस

दुअन्नी-चवन्नी मुँह-अँधेरे झाड़ना-फूँकना

(ख) फफक-फफककर बिलख-बिलखकर

तड़प-तड़पकर लिपट-लिपटकर

उत्तर

(क)
1. छन्नी-ककना – मकान बनाने में उसका छन्नी-ककना तक बिक गया।
2. अढ़ाई-मास – वह विदेश में अढ़ाई-मास ही रहा।
3. पास-पड़ोस – पास-पड़ोस अच्छा हो तो समय अच्छा कटता है।
4. दुअन्नी-चवन्नी – आजकल दुअन्नी-चवन्नी को कौन पूछता है।
5. मुँह-अँधेरे – वह मुँह-अँधेरे उठ कर चला गया।
6. झाड़-फूँकना – गाँवों में आजकल भी लोग झाँड़ने-फूँकने पर विश्वास करते हैं।

(ख)

1. फफक-फफककर – बच्चे फफक-फफककर रो रहे थे।
2. तड़प-तड़पकर – आंतकियों के लोगों पर गोली चलाने से वे तड़प-तड़पकर मर रहे थे।
3. बिलख-बिलखकर – बेटे की मृत्यु पर वह बिलख-बिलखकर रो रही थी।
4. लिपट-लिपटकर – बहुत दिनों बाद मिलने पर वह लिपट-लिपटकर मिली।

6. निम्नलिखित वाक्य संरचनाओं को ध्यान से पढ़िए और इस प्रकार के कुछ और वाक्य बनाइए :

(क) 1 लड़के सुबह उठते ही भूख से बिलबिलाने लगे।

2 उसके लिए तो बजाज की दुकान से कपड़ा लाना ही होगा।

3 चाहे उसके लिए माँ के हाथों के छन्नी-ककना ही क्यों न बिक जाएँ।

(ख) 1 अरे जैसी नीयत होती है, अल्ला भी वैसी ही बरकत देता है।

2 भगवाना जो एक दफे चुप हुआ तो फिर न बोला।

उत्तर

(क)

1 लड़के सुबह उठते ही भूख से बिलबिलाने लगे।
बुढ़िया के पोता-पोती भूख से बिलबिला रहे थे।

2 उसके लिए तो बजाज की दुकान से कपड़ा लाना ही होगा।
बच्चों के लिए खिलौने लाने ही होंगे।

3 चाहे उसके लिए माँ के हाथों के छन्नी-ककना ही क्यों न बिक जाएँ।
उसने बेटी की शादी के लिए खर्चा करने का इरादा किया चाहे इसके लिए उसका सब कुछ ही क्यों न बिक जाए।

(ख)

1 अरे जैसी नीयत होती है, अल्ला भी वैसी ही बरकत देता है।
जैसा दूसरों के लिए करोगे वैसा ही फल पाओगे।